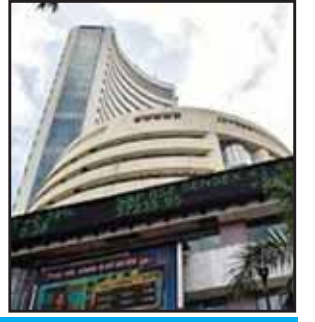




हिन्दुस्तान एक्सप्रेस



गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूँ: पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।'



उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूँ, लेकिन जानता सब हूँ। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए एक योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगाने इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।' आयुष्य योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों जानता सब हूँ। 'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आमन की बधाई भी देता हूँ। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीछियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है। '2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' 'देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।'

आज शाम 4 बजे बिहार के नए सीएम का ऐलान, प्रधानमंत्री होंगे शामिल

एनडीए की बैठक में फाइनल होगा नाम, 15 अप्रैल को शपथ समारोह

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा ने सोमवार को पटना डीएम, एसपी समेत सीनियर अधिकारियों की बैठक बुलाई। लोकभवन में चली इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर ब्रीफिंग दी गई। इससे पहले राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब 30 मिनट मुलाकात हुई। जानकारी के मुताबिक, सीएम नतीशा कल 3.30 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। कल 2 बजे प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी। वहीं 3 बजे जदयू विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए सीएम के नाम पर मुहर लगेगी। शाम 4 बजे शिवराज सिंह चौहान नए सीएम के नाम का ऐलान करेंगे। 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे शपथ समारोह का आयोजन किया जाएगा। 14 अप्रैल का दिन भी बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। इस दिन सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री नतीशा कुमार का अध्यक्षता में कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी। बैठक के बाद नतीशा कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। इसी के साथ मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। इसके तुरंत बाद एनडीए विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए नेता का चुनाव किया जाएगा। भाजपा की ओर से इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। कुल मिलाकर बिहार में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर अब पूरी तरह साफ होने वाली है। अगले दो दिनों में न सिर्फ मुख्यमंत्री का नाम सामने आएगा, बल्कि नई सरकार का पूरा ढांचा भी तय हो जाएगा, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने 6.40 करोड़ की लागत से 9 किमी सड़कों का भूमिपूजन किया

-पंचमपुरा-मलपुरा व जौहा-पीपरीपुरा मार्ग निर्माण से ग्रामीणों को मिलेगा बेहतर संपर्क-विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सोमवार को दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा 9 किलोमीटर लंबी एवं 6 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से पंचमपुरा और जौहा में दो सड़कों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद के माध्यम से विभिन्न पंचायतों में 33 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश खखार, महंत बालक दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम पंचायत पंचमपुरा में 2 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से 4 किलोमीटर लंबी पंचमपुरा से मलपुरा सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जौहा में 3 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से 5 किलोमीटर लंबी जौहा से पीपरीपुरा मार्ग का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचायतों में 33 अन्य निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत विकास को गति मिलेगी। ... शेष पृष्ठ 5 पर

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

विस अध्यक्ष तोमर ने 164 लाख से अधिक के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और विकास की रफ्तार निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। वे दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत लल्लू बसई में पंचायतों में कुल 164.32 लाख रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जनपद अध्यक्ष सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री मुंशीलाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, सरपंच शशिपाल सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं ... शेष पृष्ठ 5 पर

सेवा ही सच्ची साधना, यही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अमरकंटक से पंच परिवर्तन का संदेश, साधना और सेवा का संगम है श्री नर्मदे हर सेवा न्यास, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न्यास के संस्थापक अध्यक्ष स्व. माथुर को दी श्रद्धांजलि, पंच परिवर्तन विचार गोष्ठी में रखे विचार, स्व. माथुर ने अंतिम सांस तक की नर्मदा माता की सेवा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे) अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक व्यक्ति जब अपने पूरे जीवन को समाज के लिए समर्पित कर देता है, तब वह केवल व्यक्ति नहीं, एक विचार बन जाता है। स्व.भगवत शरण माथुर भी ऐसा ही एक जीवत विचार थे। उन्होंने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिया कि समाज की सेवा ही ईश्वर की सच्ची साधना है। समाज सेवा ही हर मनुष्य के जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर ने अपनी निजी सुख-सुविधाओं को त्याग कर समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर मूलरूप से राजगढ़ जिले के निवासी थे। उनका जन्म सीका गांव में हुआ था। उन्होंने अपने जीवनकाल में क्षेत्रीय सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने तथा शिक्षा के प्रसार के लिए प्रकल्प स्थापित प्रकट होकर त्रिवेणी धारा प्रवाहित करती हैं। इसी स्थान से निकलकर माँ नर्मदा मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों को आशीर्वाद देती है। सोन नदी भी आगे जाकर गंगा की धारा को समृद्ध करती है। जीवनभर का पुण्य होने पर ही अमरकंटक आने का अवसर मिलता है। परमात्मा ने इस स्थान को जी भरकर आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. माथुर ने अपनी अंतिम सांस तक भारत माता और नर्मदा माता की सेवा कर उनका आशीर्वाद पाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक में संचालित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन कर उन्हें नमन किया साथ ही मंच पर उपस्थित संतो-महंतों एवं समाजसेवियों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'पंच परिवर्तन' विचार पर हुई विचार गोष्ठी में कहा कि स्व. माथुर ने समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होकर अमरकंटक में काम किया। मुख्यमंत्री ने समाजसेवी और नर्मदा समग्र के स्व. अनिल माधव देवे का भी स्मरण किया। ... शेष पृष्ठ 5 पर



करोड़ों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। कुल मिलाकर बिहार में सत्ता परिवर्तन की तस्वीर अब पूरी तरह साफ होने वाली है। अगले दो दिनों में न सिर्फ मुख्यमंत्री का नाम सामने आएगा, बल्कि नई सरकार का पूरा ढांचा भी तय हो जाएगा, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हुई हैं।

रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के द्वारा अकल्पनीय सेवा हुई: प्रद्युमन सिंह तोमर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर। रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन 17 मार्च से 24 मार्च तक आयोजित किया गया। इसमें रोटरी के सदस्य, चिकित्सक, शासकीय कर्मचारी, समाज सेवी संस्थाओं सब ने मिलकर अकल्पनीय मानव सेवा की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी की प्रेरणा से रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन और उनकी टीम पिछले 4 महीनों से जो मेहनत कर रही थी उसी का परिणाम है कि इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में देश का सबसे बड़ा मेडीकल केम्प घोषित हुआ। यह बात मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने रोटरी क्लब ग्वालियर द्वारा आयोजित रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन एवं श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन में कार्य करने वाले चिकित्सकों के सम्मान समारोह में कही।

रोटरी ने चिकित्सकों को किया सम्मानित

होटल साया जी सेन्ट्रल पार्क में गत दिवस ऊर्जामंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य

पाराशर ने मिशन की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया जबकि डॉ. प्रियम्बदा भसीन, डॉ. रवि शंकर डालमिया, डॉ. वी.के. गंगवाल आदि ने रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन की उपलब्धियों की चर्चा की। रोटरी रीजनल मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि सारे मध्यप्रदेश में यह एक ऐसा सेवा मिशन था जिसके शिविर में रॉबर्ट सर्जरी की गई। लगभग 80 चिकित्सकों को स्मृतिचिह्न एवं प्रशान्ता पत्र देकर सम्मानित किया गया। 4 सूत्रीय पाठ का वाचन रो.आर.पी. सिंह ने किया। संचालन रो. रोहित जैन, रो. शुभांगी चतुर्वेदी ने किया। आभार प्रदर्शन सचिव रो. अखिल अग्रवाल द्वारा माना गया। इस अवसर पर पीडीजी आर.एस.राठी, रो.राजकुमार शिवहरे, रो.मुकेश थिरानी,रो. दीपेश मालवीय, रो. उर्वशी जैन, रो. प्रभात भार्गव, रो. राजेन्द्र अर्धवाल, रो.आदेश बंसल, रो. राकेश बाबू शर्मा, रो.ललित गुप्ता, रो.विद्यासागर ढोबी, रो.बालकिशन खण्डेलवाल आदि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर, वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

ठाणे (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुंबई के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुंबई जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। ट्रकर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है।

सविधान निर्माता मान. डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर शत शत नमन

चल अमावस में पधार रहे सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत वंदन अभिनंदन

शुभेच्छु: अशोक अर्गल पूर्व सांसद व पूर्व महापौर, मुरैना

मंगोलिया की इटुगेन यूनिवर्सिटी की मेडीकल शाखा में प्रवेश के लिए आयोजित किया लॉच कार्यक्रम



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-नई दिल्ली। दिल्ली के इंडिया हैबिटेड सेंटर, लोदी रोड में Eduglobe Consultants द्वारा मंगोलिया की Etugen University का लॉच कार्यक्रम (शुभारंभ कार्यक्रम) आयोजित किया गया। Eduglobe Consultants के डायरेक्टर व्योम जायसवाल हैं और यह कंपनी बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर के देशों के मेडिकल कॉलेजों में भेजती है। यह लॉच कार्यक्रम एटुगेन यूनिवर्सिटी के लिए था और व्योम जायसवाल भारत में इस यूनिवर्सिटी के एकल प्रतिनिधि हैं और बच्चों को इस यूनिवर्सिटी में मेडिकल पढ़ाई के लिए भेजने का इन का एकल अधिकार है। जो बच्चे मेडिकल की पढ़ाई के लिए मंगोलिया की इस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं या जो सलाहकार (consultants) बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर के देशों के मेडिकल कॉलेजों में भेजना चाह रहे हों वे

जीवाजी क्लब वूमैस क्रिकेट लीग 2.0: धुरंधर दिवाज की टीम बनी चैपियन



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर। जीवाजी क्लब वूमैस क्रिकेट लीग 2.0 का भव्य आयोजन जीवाजी क्लब के क्रिकेट टर्फ ग्राउंड पर हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव (आईएएस) सुश्री विदिता डगर (आईपीएस) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर वूमैस क्रिकेट लीग का शुभारंभ किया। जीवाजी क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ, सचिव संजय वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट अमित गुप्ता, ट्रेजरर संजय नीखरा, स्पॉट सेक्रेटरी रमन ज्ञान ने अतिथियों का स्वागत किया। वूमैस क्रिकेट लीग 2.0 में चार टीमों ने भाग लिया। प्रारंभ के मैच में धुरंधर दिवाज की टीम ने जीवाजीयन जगुआर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं स्काई वॉरियर टीम को सनराइजर्स टीम ने पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुक़ाबला टीम धुरंधर और सनराइजर्स के बीच खेला गया जिसमें टीम धुरंधर ने सनराइजर्स को हराकर ट्राफी जीत ली, विजेता टीम की कप्तान गजल गुप्ता और उप विजेता टीम की कप्तान स्वाती शिवहरे थीं।

पाँच दिवसीय प्रतियोगिता का समापन हुआ



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/जोरा। सांदीपनि विद्यालय जोरा में बाबा साहेब आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर 05 दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कारों का भी वितरण किया गया। इसमें जिन छात्रों द्वारा इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। इन बच्चों द्वारा रंगोली बनाई गई विभिन्न प्रकार के चित्र बनाए गए वाद-विवाद तथा भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया। जिसके लिए छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। बीआरसी राजीव सिंह जादौन द्वारा बच्चों को बताया गया कि इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए तथा सभी बच्चों को इसमें सहभागिता करनी चाहिए जिससे महापुरुषों के बारे में जानकारी भी प्राप्त होती है और खेल-खेल में प्रतियोगिता होने पर बच्चे आनंद का अनुभव करते हैं। इसके साथ ही जनपद पंचायत जोरा के द्वारा

शपथ ग्रहण समारोह अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद का 'संकल्प सिद्धि समारोह' भव्यता के साथ सम्पन्न



सोनल जैन अध्यक्ष, संगीता पांड्या सचिव, ममता जैन बनीं कोषाध्यक्ष

महिलाओं के स्वरोजगार, विकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र में करेंगे कुछ अलाब कार्य

वोकल फॉर लोकल' के तहत स्वदेशी हस्त निर्मित सामान को देंगे बढ़ावा: सोनल जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद द्वारा 'संकल्प सिद्धि समारोह' का आयोजन रविवार, 12 अप्रैल को महावीर भवन, कम्पू में अत्यंत हार्दिकता से भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संस्था राय उपस्थित रहीं। उन्होंने परिषद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति समारोह में परिषद की प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर अध्यक्ष सोनल जैन, सचिव संगीता पांड्या, कोषाध्यक्ष ममता जैन को प्रांतीय अध्यक्ष माधवी शाह ने नई टीम को शपथ दिलाई। वहीं राष्ट्रकारिणी अध्यक्ष आदर्श दीवान द्वारा संभाग अध्यक्ष को शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में मधु बड़जात्या (प्रांतीय सचिव), बीना गंगवाल (प्रांतीय गतिविधि सचिव), साधना जैन (प्रांतीय कोषाध्यक्ष), विनीता पाटोदी (संभाग अध्यक्ष), अंजू गंगवाल एवं अंगुरी जैन (प्रांतीय उपाध्यक्ष) सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

एकजुटता और सेवा का संकल्प समारोह में स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर के पदाधिकारी, परिषद की पूर्व अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ विनीता गोधा एवं डॉ मनोरमा पांड्या द्वारा किया गया। आयोजन में रेनु खड्ग, नीलम जैन, प्रीति गोधा, श्वेता टॉप्या, आयुष्या जैन, एकता बाकलीवाल, प्रतिभा अजमेरा एवं डॉली गंगवाल का विशेष योगदान रहा।

सेवा कार्य से नवीन टीम का कार्यकाल शुरू इस अवसर पर परिषद द्वारा सेवा कार्यों की प्रेरणादायक पहल भी की गई। साधना जैन एवं विनीता पाटोदी द्वारा एक जरूरतमंद बच्चों को ट्राय साइकिल भेंट की गई, वहीं दीपा जैन द्वारा दो बच्चों की एक वर्ष की शिक्षा समाप्त होने में स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर के पदाधिकारी, परिषद की पूर्व अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का

रघु ठाकुर आज मुरैना आयेगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट चिंतक एवं राजनेता रघु ठाकुर 14 अप्रैल को मुरैना में रहेंगे। महात्मा गांधी सेवाश्रम जोय में श्री ठाकुर रहला डॉ एस एन सुब्बाराव स्मृति व्याख्यान देंगे। व्याख्यान का विषय डा. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के वैचारिक संरलेखन पर केन्द्रित है। चौदह अप्रैल बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती का दिन है। इसी दिन चौवन साल पहले सैकड़ों बागियों ने महात्मा गांधी के चित्र के सामने आत्मसमर्पण कर शांतिपूर्ण जीवन का व्रत लिया था। रघु ठाकुर को व्याख्यान के लिए निमंत्रण लगभग दो महीने पहले एकला परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी.वी. और महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव स्वर्गीय डॉ रमसिंह परमार ने दिया था। श्री ठाकुर 13 अप्रैल की शाम शताब्दी एक्सप्रेस से मुरैना पहुंचे हैं। स्थानीय विश्राम गृह में वे सुबह दस बजे तक मुरैना के साधियों से मिलेंगे फिर जोरा के गांधी आश्रम पहुंचेंगे। कार्यक्रम के बाद श्री ठाकुर ग्वालियर रवाना होंगे और 15 अप्रैल को ग्वालियर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उक्त जानकारी जयन्त सिंह तोमर ने दी।



दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आयोजित प्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास जैन के साथ हेल्थ टॉक शो



किडनी से सम्बंधित रोगों के बारे में विस्तार बताया

अपनी डाइट में प्रोटीन अवश्य लें, नियमित किडनी की जांच कराते रहें, पानी पीते रहें: डॉ विकास जैन

स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के डॉ. जैन ने सरल एवं संतोषजनक जवाब दिये

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-ग्वालियर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा आज होटल क्लार्क इन में एक विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी रोग सर्जन, मणिपाल हॉस्पिटल (दिल्ली) के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन ने स्वास्थ्य विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम में डॉ. जैन ने किडनी से जुड़ी बीमारियों, उनके बचाव, संतुलित जीवन शैली तथा नियमित जांच के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब तक वे 1500 से अधिक सफल किडनी ट्रांसप्लांट

गन्ना उत्पादक किसानों की बैठक सम्पन्न विधायक ने गन्ना उत्पादन के लिए दिए 5 लाख रुपए



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/जोरा। शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति एवं गन्ना उत्पादक प्रोत्साहन समिति द्वारा शक्कर कारखाना प्रांगण में क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों की वृहत बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंकज उपाध्याय (विधायक जोरा) के साथ सैकड़ों किसानगण, कृषि विभाग के एडीए रविंद्र कुमार सिंह, एडीए अशोक कुमार जायसवाल, मुनीश रावत एसडीओ कैलारस उपस्थित रहे। बैठक में विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि कैलारस शक्कर कारखाना चंबल क्षेत्र की आर्थिक धुरी हुआ करता था, जब से कारखाना बंद हुआ है किसानों में भारी निराशा है। किसान फिर से गन्ना उत्पादन करना चाहते हैं, अगर सरकार मदद करे तो निश्चित रूप से गन्ना उगाया जा सकता है। जैसा कि सरकार में बैठे मंत्री कह रहे हैं कि अगर किसान गन्ना उगाएगा तो शक्कर कारखाना प्रांभ हो सकता है। हम गन्ना उगाने के लिए लगभग 5000 किसान प्रेरित करने का प्रशिक्षण प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके फलस्वरूप 16 अप्रैल को अनाज मंडी प्रांगण में 100 किसानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया। किसानों ने गन्ना उत्पादन की सरकारी गारंटी सुनिश्चित करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। चर्चा के अंत में सभी किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों के समक्ष हजारों बोधा क्षेत्र में गन्ना उत्पादन करने का संकल्प लिया। अपने अपने गांव में गन्ना उगाने के लिए जीवन लाल त्यागी भटपुरा, राजेश धाकड़ किसरोली, सुशील सिंह यादव मांमचौन, समर सिंह धाकड़ गस्तौली, वीरेंद्र सिंह धाकड़ कोंडा, भूषण सिंह धाकड़ रिझोनी, कप्तान सिंह धाकड़ बूढसिरथरा, हरिराम धाकड़ लुधया, रामप्रकाश धाकड़ चुन्नीपुरा, दिनेश धाकड़ धूरकुड़ा, सरवन लाल धाकड़ बस्तौली ने किसानों को ट्रेनिंग दिलाने की बात कही। बैठक में प्रमुख रूप से लक्ष्मी नारायण त्यागी ग्राम बुधेरा संयोजक गन्ना उत्पादन कृषक समिति रामस्वरूप शर्मा ग्राम मोहना बुजमोहन मरैया (विधायक प्रतिनिधि), ओमप्रकाश श्रीवास्तव, सुरेश उपाध्याय (पूर्व पार्षद), राजवीर धाकड़ (भाकपा), हरिराम धाकड़ (सिंगाचौली), हरिराम धाकड़ (लुधया), हरेंद्र सिंह जादौन (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कैलारस), सुरेश उपाध्याय वीरेंद्र धाकड़ (ब्लॉक अध्यक्ष, किसान कांग्रेस कैलारस), कृषकगण जीवनलाल त्यागी, राजेश धाकड़ (किसरोली), सुशील सिंह यादव (मांमचौन), समर सिंह धाकड़ (गस्तौली), भूषण सिंह धाकड़ (सरपंच, रिझोनी), कप्तान सिंह धाकड़ (बूढ सिरथरा), रामप्रकाश धाकड़ (चुन्नी का पुरा), दिनेश धाकड़ (धूरकुड़ा), सरवनलाल धाकड़ (बस्तौली), कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरारीलाल अमर (शहर अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी जोरा), ओमप्रकाश शक्कर (पूर्व सरपंच, तोरिका), साहित पटान, शम्मा कुरैशी (पार्षद), मोहित शुक्ला (पार्षद), अनुराग दुबे (सरपंच, सुजर्मा), अशोक जावड़ आदि उपस्थित रहे।

नेतृत्व सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित है: पूर्व सांसद शेजवलकर

- सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण

गवालियर। शहर के चाई 55 में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को खाजांची बाबा पर सभापति निधि द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अनेक सीसी सड़कों का लोकार्पण एवं 21 दिव्यांग हितधारियों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि चाई 55 के इस क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और सभापति मनोज तोमर की सक्रियता के चलते चाई में

पानी सीवर एवं सड़क की समस्याओं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे



का निराकरण हुआ है और निरंतर क्षेत्र का विकास कार्य चलता ही रहेगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व यदि सक्षम हाथों में हो तो विकास सुनिश्चित होता

सभापति मनोज तोमर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता हूँ हमारे यहाँ जो भी क्षेत्र

की किसी भी समस्या के लिए आता है मैं लगातार विकास के लिए निगम प्रशासन जिला प्रशासन एवं शासन तक प्रयास कर समस्या का निराकरण करने के लिए संघर्ष करता हूँ आज इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहाँ पास में ही शहर का सबसे बड़ा कचरा डंपिंग क्षेत्र था जिसे मैं खत्म कराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखोजानी, मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंझवार, लियाकत चाचा, अख्तर अली, अशोक खान, सलीम अब्बासी, युनुस रजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष मुरारी मिश्र ने किया।

शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का मंत्र दिया था बाबा साहब ने: विधायक डॉ. सिकरवार



- विधायक डा. सिकरवार ने 16 स्थानों पर किया माल्यार्पण

-7100 वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान, एक लाख लोगों के लिए भंडारा आज

गवालियर। सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिवाद और असमानता के खिलाफ कड़वा संघर्ष किया। उन्होंने दलितों, शोषितों, पिछड़ों और महिलाओं के अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का एकमात्र रास्ता है, इसीलिए उन्होंने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मंत्र दिया।

बाबा साहब का भारतीय समाज में योगदान विशाल और विविध है, जो एक समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, राजनेता और कानूनी विद्वान के रूप में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह विचार कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व सोमवार को आयोजित कार्यक्रमों में व्यक्त किया।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ गवालियर पूर्व विधानसभा में 16 स्थानों पर जहाँ बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित है, वहाँ सभी स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वरिष्ठजन महिला एवं पुरुषों का सम्मान एवं समता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया, उसके पश्चात् 7100

वरिष्ठजन महिला-पुरुषों का पुष्पमाला पहनाकर एवं श्रीपुत्र व वस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया और सभी स्थानों पर समता भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रमों में विधायक डॉ. सिकरवार ने आमजनों का संबोधित करते हुये कहा कि बाबा साहब ने समाज में व्याप्त अस्पृश्यता, जातिवाद और असमानता के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। बाबासाहब का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय का अद्भुत प्रतीक है। उनके विचार आज भी हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय समाज को न केवल समानता और न्याय का संदेश दिया, बल्कि हर व्यक्ति के अधिकारों के लिए संघर्ष भी किया। बाबासाहब ने अपना पूरा जीवन छुआछूत और जातिवाद जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने में

समर्पित कर दिया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत थे।

अंबेडकर पार्क में एक लाख श्रद्धालुओं का भंडारा आज

डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क पूलबाग में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार 14 अप्रैल को भारत रत्न, सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक लाख श्रद्धालुओं के भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन कर रहे हैं। आयोजन की तैयारी आँ पूरी कर ली गई है। सुबह 9 बजे विधायक डॉ. सतीश सिकरवार बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे, जिसके बाद भण्डारा (प्रसादी) का आयोजन शुरू किया जायेगा, जो कि देर रात तक चलेगा।

अजाकस ने मनाई सविधान निर्माता भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती

उत्कृष्ट कार्य के लिए 501 समाजसेवियों का किया सम्मान

गवालियर। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाकस) रेसकोर्स रोड 27ए मेला ग्राउंड के सामने जिला गवालियर द्वारा सविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने बताया कार्यक्रम मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव को कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की एवं प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, प्रांतीय सयुक्त सचिव शैलेन्द्र प्रताप कदम, सभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया सभागीय अध्यक्ष ईजी केवी दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मंचासीन थे।



दुर्गेश कुंवर सिंह ने कहा डॉ अंबेडकर साहब चाहते थे कि पुरुषों के साथ साथ महिलाओं को शिक्षा से लेकर समस्त क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार मिले क्योंकि महिलाओं के आगे बढ़ने से समाज की तरक्की को मापा जाता है महिलाओं को आगे बढ़ने से दो परिवारों को तरक्की मिलती है। विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने कहा डॉ अंबेडकर साहब ने भारत को सविधान में भारत

अधिकार दिए हैं डॉ अंबेडकर त्याग तपस्या बलिदान का संघर्ष भारत ऋषी है सब समाजों के तरक्की के रास्ते डॉ अंबेडकर ने खोले हैं डॉ बाबा साहब अंबेडकर भारतवासियों के लिए प्रेरणाश्रोत हैं उनके विचारों को जन तक पहुंचाने के लिए आखिरी श्वास तक कार्य करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस

अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं 501 समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। सम्मानित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र श्रीपुत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने कहा कि डॉ बाबा साहब के बताए मार्ग-ऋ-शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो-कृ-को आत्मसात कर समाज को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सामाजिक एकता एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पन डी मौर्य एवं आभार जिला सचिव राजेंद्र पञ्चरत एवं जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जयंत ने व्यक्त किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है: सांसद श्रीमती राय

गवालियर। लोकसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा रखे गये नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं है, बल्कि सदियों से प्रतिष्ठित उस सामाजिक न्याय की प्रतिज्ञा है जिसे प्रधानमंत्री ने धरातल पर उतारा है। देश में शोष अधिनियम के बाद केवल वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर ऐतिहासिक काम करेगा। यह बात भाजपा की भिंड दतिया की सांसद संध्या राय ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही।

सांसद श्रीमती राय ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति को बढ़ावा देने तथा उन्हें अधिक अधिकार देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पेश किया है। देश में शोष अधिनियम के बाद केवल वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर ऐतिहासिक काम करेगा। यह बात भाजपा की भिंड दतिया की सांसद संध्या राय ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही।



भूमिका में बैठाने का ऐतिहासिक काम करेगा। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी निर्णय में देश का भाग्य बदलने की क्षमता होती है। हम ऐसे ही निर्णय के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक

कदम ही भारत की मातृशक्ति को समर्पित रहा था। पत्रकारों के दौरेन उन्होंने कांग्रेस पर भी आरोपों की झड़ी लगाते हुये कहा कि कांग्रेस ने केवल इस अधिनियम को कागजों पर ही रखा वहीं एक बार तो कांग्रेस नीत सरकार में इसे फाट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीयत में खोट का सबसे काला अध्याय शाह बानो मामला है, जहाँ कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय के प्रगतिशील फैसले को संसद में पलटकर करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के हक को कटघर-पथियों के पैरों तले कुचलने दिया था। सांसद संध्या राय ने कहा कि विपक्ष की यह घबराहट दिखाती है कि वे कभी नहीं चाहते थे कि यह बिल पास हो। उनके लिए यह बिल केवल एक मुद्दा था, जिसे वे कभी सुलझाना नहीं चाहते थे। इस अवसर पर पूर्व मध्यांश समीक्षा गुप्ता मीना सदान, किरण भदौरिया, प्रिया तोमर, दीपिका गुप्ता, नेहा, करुणा सक्सेना, वंदना भूपेन्द्र प्रेमी उपस्थित थीं।

मकान में लगी आग, ट्रेक्टर-स्कॉर्पियो समेत बाइक-स्कूटी जले

गवालियर। मुरार उपनगर में रविवार-सोमवार दरमियानी रात करीब 2.30 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। घटना प्रेमशंकर नारायण के बाड़े में संकल्प हॉस्पिटल के पास की है। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के घरों तक लपटें पहुंच गई। करीब एक घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मकान मालिक बस्त्री कादिल के अनुसार घर के सामने वाले हिस्से में निर्माण का काम चल रहा था। वहीं, पीछे परिवार निवास करता है। रात में पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। आग की लपटें तेज होने के कारण पड़ोसी घरों की दीवारें भी झुलस गईं। धुएँ और आग से घबराकर आसपास के लोग अपने बच्चों के साथ घर छोड़कर सड़क पर आ गए। आग में एक ट्रेक्टर, एक स्कॉर्पियो कार, तीन बाइक और एक स्कूटी जल गईं। घटना में लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आई है। मकान मालिक और स्थानीय लोगों ने बोरिंग पंप चालू कर पाइप से पानी डालना शुरू किया। आसपास के घरों से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद की गई। मकान मालिक ने बताया कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। जिस स्थान पर आग लगी वहाँ बिजली कनेक्शन नहीं था। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं है। वाहनों में स्पार्किंग और पेट्रोल-डीजल के कारण आग भड़कने की आशंका जताई गई है।

कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 245 बद्माशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया

- 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटों को घर पहुंचकर किया चेक



गवालियर। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस और बद्माशों के बीच चोर पुलिस का खेल हुआ। पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस ने रातभर में 245 बद्माशों को पकड़कर हवालात पहुंचाया, जबकि 285 पुराने गुंडों और हिस्ट्रीशीटों को घर पहुंचकर चेक किया। गवालियर में एक स्थायी वारंटी ने जैसे ही पुलिस को देखा तो बालकनी से कूदकर सड़क पर दौड़ लगा दी, लेकिन पहले से ही मुस्तेद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। रातभर बद्माश पुलिस को देखकर भागते रहे और पुलिस घेराबंदी कर उन्हें पकड़कर हवालात पहुंचाती रही। कॉम्बिंग गश्त अभियान में 245 बद्माशा पकड़े गए, जिनमें 134 स्थायी और 111 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। साथ ही 147 गुंडों और 138 हिस्ट्रीशीटों को भी पुलिस ने

चेक किया गया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के 3 मामले दर्ज हुए, जबकि जुआ सट्टा में 13 आरोपियों को भी दबोचा गया। एस्प्रेसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि जिले में अमन चैन के लिए लगातार बद्माशों की धरपकड़ करने कॉम्बिंग गश्त की जाती है। जिसमें उन बद्माशों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, जो लगातार पुलिस को चकमा देते हैं। इनके साथ ही उन बद्माशों को चेक किया जाता है जो पूर्व में बद्माशों में शामिल रहे हैं। ताकि पता चल सके कि वह फिर से वारदातों में शामिल तो नहीं हो रहे हैं। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बद्माशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई, साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। चेकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बद्माशा को चेतावनी दी गई कि यदि वह किसी भी अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया

जाता है तो उनके विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आए आरोपियों को भी चेक किया गया। पुलिस कमान के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने बल के साथ इलाके में निकले और पैदल गश्त किया। इस दौरान जो भी सदेही दिखा, उसे रोकना गया और उससे पूछताछ की। इस दौरान उनके द्वारा प्यारी बद्माशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटों एवं जिलाबंदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, छावनों को भी चेक किया। देर रात जैसे ही पुलिस कमान गश्त की कार्रवाई का जायजा लेने के लिए फ्लड में आए तो गश्त में निकले अप्सरों और जवानों का एक्शन शुरू हो गया। वहीं एस्पसी अनु बेनीवाल, विदिता डगर, सुमन गुर्जर और जयराज कुबेर ने गश्त की मोनिटरिंग की।

बल्क में गैस उपयोग करने वाले उपभोक्ता पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें: कलेक्टर श्रीमती चौहान

गवालियर। शहर में संचालित मैरिज गार्डन, होटल एवं व्यवसायिक उपभोक्ता अपने यहाँ पर पीएनजी गैस का कनेक्शन लें। शहर में अवैतिका एवं राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइप लाइन बिछाई गई है। सभी बल्क उपभोक्ता अपने-अपने यहाँ पर पीएनजी गैस कनेक्शन अवश्य लें। शहर में जिन क्षेत्रों में गैस लाइन उपलब्ध है उन स्थानों पर गैस का कनेक्शन न लेने वालों को आने वाले दिनों में व्यवसायिक सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जायेगा। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को मैरिज गार्डन संचालक, होटल व्यवसायों के साथ-साथ बल्क गैस उपभोक्ताओं के साथ बैठक में कही। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शहरी क्षेत्र में अवैतिका गैस एजेंसी एवं ग्रामीण क्षेत्र में राजस्थान गैस एजेंसी के माध्यम से पाइपलाइन



बिछाने का कार्य किया गया है। सभी मैरिज गार्डन संचालक और होटल प्रबंधक अपने-अपने संस्थानों में पीएनजी गैस कनेक्शन प्राप्त करें। इसके लिये अवैतिका गैस के संचालकों को अपना-अपना आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि तत्परा से गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मैरिज गार्डनों में जिस प्रकार विद्युत बिल उपभोक्ताओं से लिया जाता है, उसी प्रकार गैस के उपयोग पर खर्च होने वाली राशि भी प्राप्त की जा सकती है।

पीएनजी गैस कनेक्शन लेने से मैरिज गार्डन एवं होटल संचालकों को किसी प्रकार की हेक्कट नहीं बल्कि सुविधा ही उपलब्ध होगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने यह भी निर्देशित किया कि शहर में संचालित सभी मैरिज गार्डन संचालक अपने-अपने मैरिज गार्डन में निर्माण कार्यों की अनुमति, फायर एनओसी, पर्याप्त पाकिंग व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन के व्यवस्था में भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी मैरिज गार्डनों में पाकिंग की पुख्ता

व्यवस्था होना चाहिए। नगर निगम के अपर आयुक्त प्रतीक राव ने शहर के सभी मैरिज गार्डन संचालकों से कहा कि शासन के नियमानुसार सभी मैरिज गार्डनों को अपने-अपने यहाँ निर्माण कार्य की अनुमति निगम से लेना जरूरी है। इसके साथ ही फायर एनओसी और मैरिज गार्डनों में एकत्र होने वाले बल्क कचरा प्रबंधन के लिये भी नगर निगम से अनुबंध करना आवश्यक है। सभी संचालक शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करें। नियमों का पालन न करने पर नगर निगम के माध्यम से मैरिज गार्डन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में अवैतिका गैस एजेंसी के संचालकों ने शहर में एजेंसी के माध्यम से जिन-जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन डाली गई है, उसके बारे में जानकारी दी।

आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने से नशे से दूर रहा जा सकता है: प्रह्लाद भाई

- पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति शिविर का हुआ आयोजन

गवालियर। 14वीं वाहिनी वि. स. बल गवालियर के द्वारा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए 14वीं वाहिनी के सेनानी संजीव कुमार सिन्हा के निर्देशन में तथा सहायक सेनानी रवेश तोमर के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय गवालियर के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्रह्माकुमारी केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने नशा से दूर रहने के लिए के लिए सरल एवं व्यावहारिक

उपाय बताते हुए कहा कि व्यवस्थित रूप से नशा मुक्ति शिविर का हुआ आयोजन



हमें अपनी नियमित दिनचर्या में करना चाहिए। दीदी ने कहा कि जब मन संतुष्ट और शक्तिशाली होता है, तब व्यक्ति को किसी भी प्रकार के नशे की आवश्यकता महसूस नहीं होती। लेकिन जब व्यक्ति के जीवन

में किसी भी प्रकार कि चिंता आती है तो व्यक्ति नशे कि तरफ जाने का



प्रयास करता है जबकि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रह्लाद भाई ने कहा कि आज का मनुष्य बाहरी पहचान, पद, प्रतिष्ठा और

भौतिक उपलब्धियों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। जबकि सच्चाई यह है कि जब व्यक्ति स्वयं को आत्मा के रूप में पहचानता है, तभी उसके भीतर आत्मविश्वास, आंतरिक शांति और मानसिक संतुलन का वास्तविक विकास होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्म-संयम, नियमित ध्यान (मेडिटेशन) और आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाते हैं, तो हम न केवल नशे से दूर रह सकते हैं, बल्कि एक सशक्त और संतुलित जीवन भी जी सकते हैं। कार्यक्रम में 14वीं वाहिनी से डॉ ओम प्रकाश वर्मा ने कहा कि यदि किसी को ड्रग एडिक्शन है उसे नशे की बीमारी है और उसकी इलाज लेना बहुत जरूरी है।

भोपाल की छात्रा से गवालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म

- युवक ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से की थी दोस्ती

गवालियर। गवालियर में भोपाल की 21 वर्षीय बीएससी छात्रा से युवक ने दुष्कर्म किया है। आरोपी ने खुद को हिंदू बताकर छात्रा से दोस्ती की और गवालियर के होटल में 7 दिन तक दुष्कर्म किया। पीड़िता से रूपये भी लिए। छात्रा 3 महीने की गर्भवती है। मामला गिरवाइं थाना क्षेत्र का है। पुलिस आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

शुरू हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद मोबाइल नंबर एक्सचेंज हुए। जिसके बाद छात्रा युवक के बुलाने पर 4 मार्च 2025 को गवालियर आई थी। गिरवाइं इलाके के एक होटल में 7 दिन रुकी, जहाँ युवक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। छात्रा से गवालियर से लौटने के चार दिन बाद युवक ने परेशानी का हवाला देकर उससे 50 हजार रुपये मांगे। छात्रा ने अपने कान के बालों बेचकर उसे रूपये दे दिए। इसके बाद युवक भोपाल आ गया। पुलिस आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता पाण्डुर्णा जिले की रहने वाली 21 वर्षीय छात्रा भोपाल के अशोका गार्डन में रहकर पढ़ाई कर रही थी। करीब एक साल पहले उसकी इंटरग्राम से -सदेव शूर- आईडी से बातचीत

संपादकीय

डिजिटल युग में हिंदी: चुनौतियाँ और संभावनाएँ

स्निग्धा का आलेख

मोबाइल की चमकती स्क्रीन पर सिमटती दुनिया में शब्दों की गहराई कहीं धीरे-धीरे धुंधली होती प्रतीत होती है। डिजिटल युग ने ज्ञान को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है; सूचना का विस्तार अभूतपूर्व है। परंतु भाषा से हमारा आत्मीय रिश्ता पहले जैसा सशक्त नहीं रहा। तकनीक आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है—शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध और मनोरंजन—सब कुछ डिजिटल माध्यमों से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में परिवर्तन स्वाभाविक है, किंतु इस परिवर्तन के बीच हिंदी भाषा का शिक्षण नई परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहा है। हिंदी शिक्षिका के रूप में प्रतिदिन यह अनुभव होता है कि बच्चों के विचारों में कमी नहीं है। वे जिज्ञासु हैं, कल्पनाशील हैं, संवेदनशील भी हैं। परंतु जब उन विचारों को शब्दों में ढालने का समय आता है, तो वे ठिठक जाते हैं। हाल ही में, कक्षा में विद्यार्थियों से उनके मनपसंद विषय पर कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा। सभी के पास भाव थे, अनुभव थे, पर शब्द नहीं। कई विद्यार्थियों ने सहज भाव से कहा— 'सोच तो है, पर लिखने के लिए शब्द नहीं मिलते।' उस क्षण यह स्पष्ट हुआ कि समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की है। माध्यमों ने संवाद को त्वरित और संक्षिप्त बना दिया है। चैट भाषा, इमोजी और मिश्रित भाषायी प्रयोग (हिल्लिश) का प्रभाव बच्चों की हिंदी शब्दावली को सीमित कर रहा है। लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति कम हो रही है। शुद्ध वर्तनी और व्याकरणिक सावधानी पर ध्यान घटता जा रहा है। 'है' और 'हैं', 'क्योंकि' और 'क्यूकी', 'वहाँ' और 'वहाँ' जैसे सरल शब्दों में भी भ्रम देखने को मिलता है। कई बार बच्चे अपनी त्रुटियाँ पहचानने में भी असमर्थ होते हैं। जब भाषा की बुनियाद कमजोर होती है, तो आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। वर्तमान शिक्षक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालय, जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एचएसई) से संबद्ध हैं, अपनी शिक्षण पद्धति में मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम का उपयोग करते हैं। यद्यपि यह बोर्ड हिंदी माध्यम के विद्यालयों को भी पूरी मान्यता प्रदान करता है, फिर भी व्यवहार में अधिकांश विद्यार्थी अन्य विषयों का अध्ययन अंग्रेजी में करते हैं। यह स्वाभाविक है कि विद्यार्थी जिस भाषा में विज्ञान या गणित जैसे विषय पढ़ते हैं, वे उसी में अधिक सहज हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, हिंदी उनके लिए अभिव्यक्ति का माध्यम कम और केवल एक 'विषय' अधिक बनकर रह जाती है। अधिभावकों की प्रार्थनाओं में भी अंग्रेजी का महत्व बढ़ा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को वैश्विक अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। इस प्रयास में अनेजाने में घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर हिंदी के सक्रिय प्रयोग और पठन के अवसर सीमित हो जाते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समस्या किसी अन्य भाषा के अस्तित्व से नहीं है। बहुभाषिकता हमारे देश की शक्ति है। अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। किंतु जिस भाषा में बच्चा अपने परिवेश को समझता है और भावनात्मक रूप से जुड़ता है, उसमें दक्षता उसके चिंतन को गहराई प्रदान करती है। यही कारण है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में शिक्षण को महत्व देती है, क्योंकि भाषा ही विचारों की आधारशिला है। समाधान निराशा में नहीं, संतुलन में है। यदि हिंदी को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित न रखकर जीवन से जोड़ा जाए, तो वह पुनः बच्चों के लिए सहज और रोचक बन सकती है। कहानी-कथन, समूह-चर्चा, भूमिका-अभिनय, वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन और काव्य-पाठ जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के शब्द-भंडार और आत्मविश्वास को सुदृढ़ कर सकती हैं। विद्यालयों में नियमित पठन-अभिनय, 'दिन का शब्द' जैसी पहलें और पुस्तकालय संस्कृति का सशक्तिकरण भी महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

बाबा साहब अम्बेडकर ने जवाहर लाल नेहरू जी के मंत्रिमंडल से 1951 में इस्तीफा दिया। उनका यह निर्णय अचानक नहीं था, बल्कि कई गहरे वैचारिक मतभेदों और असंतोष का परिणाम था। डॉ. अम्बेडकर के इस्तीफे का सबसे बड़ा कारण हिंदू कोड बिल था। यह बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने के लिए बनाया गया था।

बाबा साहब अम्बेडकर ने जवाहर लाल नेहरू जी के मंत्रिमंडल से 1951 में इस्तीफा दिया। उनका यह निर्णय अचानक नहीं था, बल्कि कई गहरे वैचारिक मतभेदों और असंतोष का परिणाम था। डॉ. अम्बेडकर के इस्तीफे का सबसे बड़ा कारण हिंदू कोड बिल था। यह बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने के लिए बनाया गया था।

बाबा साहब अम्बेडकर की विरासत को संजोती भाजपा

(डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर विशेष)

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान केवल एक विधिवेत्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुधारक और राष्ट्रनिर्माता के रूप में भी था। उन्होंने संविधान के माध्यम से एक ऐसे भारत की नींव रखी, जहाँ समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्श स्थापित हों। बाबा साहब अम्बेडकर का योगदान केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि भारत की आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था के विकास में भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। (भारतीय रिजर्व बैंक) की स्थापना में उनके विचारों और शोध का गहरा प्रभाव माना जाता है। बाबा साहब अम्बेडकर ने जवाहर लाल नेहरू जी के मंत्रिमंडल से 1951 में इस्तीफा दिया। उनका यह निर्णय अचानक नहीं था, बल्कि कई गहरे वैचारिक मतभेदों और असंतोष का परिणाम था। डॉ. अम्बेडकर के इस्तीफे का सबसे बड़ा कारण हिंदू कोड बिल था। यह बिल महिलाओं को संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने के लिए बनाया गया था। डॉ. अम्बेडकर चाहते थे कि यह बिल जल्द पारित हो, लेकिन संसद में इसका कड़ा विरोध हुआ और सरकार ने इसे आगे बढ़ाने में रुचि नहीं दिखाई। इससे वे अत्यंत निराश हुए, क्योंकि वे इसे सामाजिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम मानते थे। डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि नेहरू सरकार सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। वे चाहते थे कि दलितों और महिलाओं के अधिकारों को प्राथमिकता दी जाए, लेकिन उन्हें लगा कि सरकार इन मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रही। डॉ. अम्बेडकर के कई मामलों में जवाहरलाल नेहरू जी से मतभेद थे, जैसे आर्थिक नीतियों को लेकर असहमति, कर्मर नीति पर भिन्न विचार, विदेश नीति और प्रशासनिक दृष्टिकोण पर अंतर, इन मतभेदों के कारण वे स्वयं को सरकार में असहज महसूस करने लगे। कानून मंत्री होने के बावजूद डॉ. अम्बेडकर को कई महत्वपूर्ण निर्णयों में पर्याप्त भूमिका नहीं मिल रही थी। इससे उन्हें लगा कि

वे अपने विचारों और योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू नहीं कर पा रहे हैं। डॉ. अम्बेडकर सिद्धांतों के विचारों के माध्यम से देश की नीतियों को प्रभावित करते रहे। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि हिंदू धर्म में जितने व्यवस्था गहराई से जुड़ी हुई है, जिससे समानता संभव नहीं है। अनेक विचार विमर्श के पश्चात् 1956 में उन्होंने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म को अपनाया, उस समय जब यह खबर हैदराबाद के निजाम मीर उस्मान अली खान को मिली कि डॉक्टर अम्बेडकर हिन्दू धर्म को छोड़कर अन्य धर्म अपनाने जा रहे हैं तो उन्होंने बाबा साहब को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रस्ताव भेजा और 25 करोड़ रुपए की भारी भरकम रकम की पेशकश की निजाम चाहते थे कि बाबा साहब अम्बेडकर के साथ उनके अनुयायों भी इस्लाम अपना लें जिससे हैदराबाद में मुस्लिम आबादी बढ़ सके। बाबा साहब ने इन प्रलोभनों को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि धर्म परिवर्तन से 'राष्ट्रीय अस्थिरता हो सकती है और वे भारत की मूल संस्कृति से दूर नहीं जाना चाहते' बाबा साहब ने बाद में हैदराबाद के दलित समुदाय को लिखा था अत्याचार सहें लेकिन किसी भी स्थिति में धर्म न बदलें। उनकी विचारधारा मानवता, समानता और न्याय पर आधारित थी। वे तर्क और विज्ञान में विश्वास रखते थे और अधिवाशियों के खिलाफ थे। 6 दिसंबर 1956 को बाबासाहब डॉ. अम्बेडकर का निधन हो गया। उन्हें 1990 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए भी बाबा साहब को मृत्यु के पश्चात् 44 वर्ष इंतजार करना पड़ा, जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री रहते हुए ही 1955 में भारत रत्न मिल गया, इंदिरा

गांधी की भी प्रधानमंत्री रहते हुए 1971 में भारत रत्न मिल गया, राजीव गांधी को मृत्यु के तुरन्त बाद भारत रत्न दे दिया गया यदि उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु न होती तो शायद उनको भी प्रधानमंत्री रहते हुए ही भारत रत्न मिल जाता लेकिन कांग्रेस की किसी भी सरकार ने संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर को भारत रत्न देने का विचार नहीं किया। 1990 में जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन वाली विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार थी तब बाबा साहब अम्बेडकर को भारत रत्न सम्मान दिया गया जिसके वह वास्तविक हकदार थे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत के प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी बाबा साहब अम्बेडकर से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की की सरकार बनने के बाद इन स्थलों का विकास 2016 से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बाबा साहब की 125वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देने और विरासत को संरक्षित के लिए किया गया। बाबा साहब अम्बेडकर का जीवन और कार्य हमें यह प्रेरणा देते हैं कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। डॉ. अम्बेडकर मां भारती के अमर सपूत थे वह सामाजिक समरसता के अमर पुरोध थे, भारत के इतिहास में वह एक अमर नायक के रूप में सदैव याद किए जाएंगे।



प्रस्तुति सुरेंद्र शर्मा (लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग के प्रभारी हैं)

गर्भ का चिकित्सा समापन अधिनियम और न्यायालय के दृष्टांत

भारतीय दंड संहिता (IPC) से भारतीय न्याय संहिता (BNS) की ओर बढ़ते कदम ने वैवाहिक स्वायत्तता (Marital Autonomy) के संबंध में एक विवादास्पद कानूनी विरोधाभास को जन्म दिया है। जहाँ एक ओर नया ढांचा भारतीय न्यायशास्त्र को आधुनिक बनाने का लक्ष्य रखता है, वहीं दूसरी ओर BNS की धारा 63 के अपवाद 2 (Exception 2) की बरकरार रखने से विवाह के भीतर गैर-सहमति वाले यौन कृत्यों को आपराधिक अभियोजन से सुरक्षा मिलती रहती है। हालाँकि, इस वैधानिक उन्मुक्ति (Statutory Immunity) को MTP अधिनियम के भीतर एक अधिकार-आधारित

विमर्श जगानू चुनौती दी जा रही है, जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्याख्या की गई है। वैधानिक ढांचा: BNS की धारा 63 इस मुद्दे के केंद्र में धारा 63 की संरचना है। BNS बलात्कार की परिभाषा को समीकृत करता है लेकिन अपवाद 2 के तहत 'वैवाहिक अपवाद' को स्पष्ट रूप से बरकरार रखता है, जो कहता है: 'किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ किया गया संभोग या यौन कृत्य बलात्कार नहीं है, यदि पत्नी की आयु अठारह वर्ष से कम न हो।' स्पष्ट रूप से 'पत्नी का अठारह वर्ष से कम आयु का न होना' वाक्यांश का उपयोग करके, BNS ने अब सर्वोच्च

न्यायालय के 2017 के शासनानुदेश को वैधानिक रूप से संहिताबद्ध कर दिया है। आपराधिक मार्ग के तहत, इसका मतलब है कि एक पति वास्तविक पत्नी के खिलाफ किए गए कृत्यों के लिए बलात्कार के आरोपों से मुक्त रहता है। ऐसी स्थिति में पीड़ित विवाहित महिला बलात्कार के लिए दोषसिद्धि की मांग नहीं कर सकती है और उसे BNS की धारा 85 (क्रूरता) या घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत राहत लेनी पड़ती है, जो 'यौन शोषण' को घरेलू हिंसा के एक रूप में मान्यता देता है। MTP अधिनियम इसके ठीक विपरीत, आधुनिक स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों के

दृष्टिकोण से देखे जाने वाले MTP अधिनियम ने इस उन्मुक्ति को प्रभावी ढंग से दरकिनार कर दिया है। जहाँ BNS 'निहित सहमति' के औपनिवेशिक युग के दर्शन पर निर्भर करता है, वहीं MTP अधिनियम अनुच्छेद 21 के तहत 'शारीरिक स्वायत्तता' (Bodily Autonomy) के सिद्धांत पर कार्य करता है। इस कानूनी विचलन को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णय डू बनाम प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (2022) के माध्यम से जोड़ा। न्यायालय को यह निर्धारित करना था कि क्या एक विवाहित महिला 'बलात्कार पीड़िता' की श्रेणी के तहत 24 सप्ताह तक

गर्भपात सेवाओं का लाभ उठा सकती है। माननीय न्यायमूर्ति जी.वा. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने माना कि MTP अधिनियम के उद्देश्यों के लिए, 'बलात्कार' शब्द में वैवाहिक बलात्कार (Marital Rape) शामिल होना चाहिए। न्यायालय ने तर्क दिया कि 'विवाह की घनिष्ठता' किसी गैर-सहमति वाले कृत्य को सहमति वाले कृत्य में नहीं बदलती है। सहमति की आयु का मानकीकरण: इंडिपेंडेंट थॉट (2017) BNS की धारा 63 में पाई जाने वाली आयु सीमा सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट थॉट बनाम भारत संघ (2017) के फैसले का परिणाम है। पूर्व में, IPC ने 15

वर्ष तक की पत्नियों के लिए अपवाद की अनुमति दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए हट कर दिया था, यह कहते हुए कि यह बालिका के अधिकारों का उल्लंघन करता है और POCSO अधिनियम के साथ असंगत है। इस सीमा को बढ़ाकर 18 वर्ष करके, न्यायापालिका ने यह सुनिश्चित किया कि विवाह का उपयोग अब नाबालिग के साथ यौन कृत्यों के बचाव के रूप में नहीं किया जा सकता है। एक विचारधीन वास्तविकता भारत वर्तमान में एक दोहरी प्रणाली के तहत कार्य कर रहा है। एक विवाहित महिला को BNS के तहत अपने पति पर बलात्कार का मुकदमा चलाने के

अधिकार से वंचित किया जाता है, फिर भी उसे MTP अधिनियम के तहत उन्हीं आधारों पर सुरक्षित और कानूनी गर्भपात कराने का अधिकार दिया जाता है। यह 'कार्यात्मक मान्यता' की स्थिति पैदा करता है जहाँ राज्य द्वारा प्रजनन संदर्भ में नुकसान को स्वीकार किया जाता है, भले ही दंडात्मक संदर्भ में इसे माफ कर दिया गया हो। BNS की धारा 63 के अपवाद 2 की व्यापक संवैधानिक वैधता वर्तमान में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की एक बड़ी पीठ के समक्ष लंबित है। कानूनी जगत एक अंतिम समाधान की प्रतीक्षा कर रहा है जो BNS को MTP अधिनियम के प्रगतिशील मानकों और अनुच्छेद 14 (समानता) एवं

अनुच्छेद 21 (गरिमा) के मौलिक वादों के साथ संरेखित करेगा। (लेखक, पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक IPS (पुलिस के वीरता पदक के प्रथम बार और अन्य राष्ट्रीय व राजकीय सम्मान से अलंकृत।)



-एडवोकेट दिनेश चंद सागर-

समर्पण से सशक्तीकरण: चंबल की विरासत और 'शांति एवं महिला' अभियान

एक ऐतिहासिक घटना

चंबल—यह नाम सुनते ही कभी जेहन में बीहड़, धूल, घोड़ों की टाप और बागी डकुओं की डरावनी तस्वीरें उभर आती थीं। दशकों तक यह क्षेत्र थाने, प्रतिशोध और रक्तपात का पर्याय बना रहा। लेकिन इतिहास गवाह है कि जहाँ अंधेरा सबसे घना होता है, वहीं से उजाले की किरण फूटती है। सन् 1972 में चंबल की घाटी में एक ऐसी क्रांतिकारी घटना घटी, जिसने न केवल भारत को बल्कि पूरी मानवता को एक नई दिशा दी। यह घटना थी—बागी-आत्मसमर्पण, जिसने हिंसा की धरती को शांति और अहिंसा की प्रयोगशाला में बदल दिया। जयप्रकाश नारायण और हृदय परिवर्तन का प्रयोग इस महान परिवर्तन के सूत्रधार थे लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी)। गांधीवादी मूल्यों में अटूट विश्वास रखने वाले जेपी का मानना था कि 'अपराध से घृणा करो, अपराधी से नहीं।' 14-16 अप्रैल 1972 के वे दिन जौरा (मुरै) के गांधी सेवा आश्रम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हैं। जब माधो सिंह और मोहन सिंह जैसे कुख्यात बागियों ने जेपी के चरणों में अपनी बंदूकें रखीं, तो वह केवल हथियारों का समर्पण नहीं था; वह एक विचारधारा का समर्पण था। लोकनायक की सौम्य उपस्थिति और उनके नैतिक प्रभाव ने उन लोगों के भीतर सोई हुई मानवता को जगा दिया, जिन्हें समाज 'दुर्गत' कहता था। महात्मा गांधी के चित्र के सामने जब सैकड़ों बागियों ने घुटने टेके, तो चंबल की हवाओं में पहली बार भय की जगह भरोसे की खुशबू घुली। यह विश्व इतिहास का संभवतः सबसे बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण था, जिसे बिना किसी बल प्रयोग के, केवल 'संवाद' के माध्यम से संपन्न किया गया। क्षमा और करुणा की अनिपरीक्षित आत्मसमर्पण के बाद असली चुनौती शुरू हुई।

वर्षों तक जेल की सजा काटने के बाद जब वे बागी समाज की मुखधारा में लौटे, तो एक बड़ा यक्ष प्रश्न सामने था—क्या समाज इन्हें अपनाएगा? अक्सर संघर्षों के बाद प्रतिशोध की भावना प्रबल होती है। आशंका थी कि जिन परिवारों ने इन बागियों के जुल्म सहें थे, वे बदला लेंगे। लेकिन यहाँ चंबल ने दुनिया को चौंका दिया। जिस तरह बागियों का हृदय परिवर्तन हुआ था, उसी तरह पीड़ितों के मन में भी 'करुणा' और 'क्षमा' का ज्वार उठा। पीड़ितों ने अपने घावों को भुलाकर उन पूर्व बागियों को गले लगाया। यह 'सत्य और अहिंसा' का सशक्त साक्षात्कार था। समाज ने दिखाया कि यदि न्याय के साथ संवेदनशीलता जुड़ जाए, तो अपराधी को भी एक सम्मानित नागरिक बनाया जा सकता है। चंबल से कन्नूर तक: एक वैश्विक प्रेरणा चंबल की यह सफलता केवल मध्य भारत के बीहड़ों तक सीमित नहीं रही। इसकी गूँज दक्षिण भारत के केरल तक पहुँची। केरल का कन्नूर जिला, जो एशकों से राजनीतिक हिंसा और वैचारिक संघर्ष की आग में झुलस रहा था, वहाँ के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चंबल के मॉडल को अपनाया। उन्होंने 'संवाद' को अपना हथियार बनाया। चंबल के अनुभव से सीख लेते हुए वहाँ शांति समितियाँ बनाई गईं और निरंतर सात वर्षों के प्रयास के बाद कन्नूर की हिंसक घटनाओं में भारी कमी आई। यह इस बात का जीवंत प्रमाण है कि संवाद की शक्ति किसी भी अत्याधुनिक हथियार से कहीं अधिक मारक और प्रभावी होती है। शांति पर्यटन और शिक्षा का नया केंद्र: जौरा आज आवश्यकता है कि जौरा का आत्मसमर्पण स्थल केवल एक स्मारक बनकर न रह जाए। इसे अहिंसा, शांति और संघर्ष समाधान के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। शांति पर्यटन

जैसे दुनिया युद्ध स्थलों को देखने जाती है, वैसे ही उसे उन स्थलों को भी देखना चाहिए जहाँ युद्ध समाप्त हुए थे। जौरा का गांधी आश्रम दुनिया को यह सिखा सकता है कि सबसे जटिल समस्याओं का समाधान बंदूक नहीं, बल्कि बैठकर बात करने से संभव है। यह स्थान युवाओं के लिए एक पाठशाला बन सकता है, जहाँ उन्हें सिखाया जाए कि शांति का मार्ग कारगरता नहीं, बल्कि सबसे बड़ा साहस है। 'शांति और महिला' अभियान: एक नई पहली कड़ी में, 14 अप्रैल को जौरा की पावन धरा से 'शांति और महिला' अभियान का शंखनाद किया जा रहा है। शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका सदैव निर्णायक रही है। इस अभियान के माध्यम से दुनिया भर की महिलाएँ एकजुट होकर यह संदेश देंगी कि एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण घर की दहलीज से शुरू होता है। इतना ही नहीं, चंबल का यह अहिंसक प्रयोग अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी गूँज रहा है। अफ्रीका के देश बेनिन में आयोजित होने वाले 'विश्व शांति मंच' में चंबल के इस सफल प्रयोग पर चर्चा की जाएगी। यह गर्व का विषय है कि एक समय में पिछड़ माना जाने वाला क्षेत्र आज विश्व शांति के लिए 'रोल मॉडल' बन रहा है। विनोबा भावे की 'सज्जन शक्ति' का आह्वान आज जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं और हथियारों की होड़ मची है, तब हमें आचार्य विनोबा भावे की वह बात याद आती है— 'संगठित सज्जन शक्ति ही दुर्जन शक्ति को चुनौती दे सकती है।' अहिंसा का अर्थ केवल शांति संगठन की शक्ति से खड़ा होना है। हिंसा को कोसने से अंधेरा दूर नहीं होगा, हम अहिंसा के दीये को और अधिक चमकदार बनाना होगा। 14 अप्रैल,

जो 'समर्पण दिवस' के रूप में विख्यात है, हमें याद दिलाता है कि इंसान के भीतर का 'राम' कभी भी 'रावण' पर विजय पा सकता है, बशर्ते उसे सही दिशा और प्रेम मिले। निष्कर्ष चंबल घाटी का इतिहास हमें सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति जन्म से अपराधी नहीं होता, परिस्थितियाँ उसे बागी बनाती हैं और 'करुणा' उसे पुनः इंसान बनाती है। जयप्रकाश नारायण, डॉ. सुब्बा राव और तमाम गांधीवादी विचारकों ने जो बीज बोया था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम चंबल की इस विरासत को आगे बढ़ाएँगे। संवाद के दरवाजों को कभी बंद नहीं होने देंगे। यदि चंबल के बीहड़ों में शांति के फूल खिल सकते हैं, तो दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध समाप्त हो सकता है। आइए, इस दिन का हम सब मिलकर शांति के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दें और एक ऐसे विश्व का निर्माण करें जहाँ केवल प्रेम की भाषा बोली जाए।

राजगोपाल पी.व्ही. (लेखक राजगोपाल पी.व्ही. महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा के अध्यक्ष और एकता परिषद के संस्थापक हैं।)

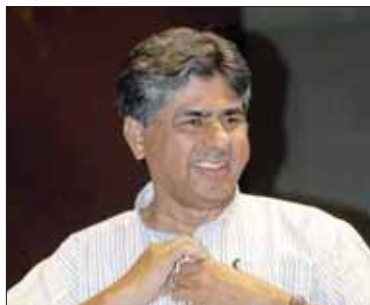
महाप्रभु वल्लभाचार्य जी का प्राकट्योत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया निकला चल समारोह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना

शुद्धादित ब्रह्मवाद के संस्थापक, पुरिमागं के प्रवर्तक एवं समस्त पुष्टि सृष्टि के प्राणाधार, अखंड भूमंडलाचार्य, जगद्गुरु श्रीमद महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य, जगद्गुरु श्री के प्रादुर्भाव महोत्सव के पावन अवसर पर नगर में भव्य एवं श्रद्धामयी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा द्वारकाधीश जी की हवेली, महावीर पूरा से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होती हुई जीवाजी गंज तक पहुँची तथा पुनः वापस द्वारकाधीश जी की हवेली पर आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान सभी में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पहारों का भव्य स्वागत किया गया। संपूर्ण वातावरण 'जय श्रीकृष्ण' एवं 'वल्लभाधीश जी जय' के जयघोषों से गुंजायमान रहा। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण एवं श्री वल्लभाचार्य जी की आकर्षक झांकियों विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भजन-कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय संकीर्तन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और पूरे आयोजन को भक्तिमय बना दिया। इस समय अवसर पर षट्पहर की ओर से गोस्वामी 108 श्री वृजसुरण लाल जी महोदय श्री द्वितीय (कृतार्थ) बावा

है तथा युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध रूप से उल्लेखनीय रही। उनके सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का

अवसर प्राप्त होता है। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया और आयोजन के सफल संपन्न होने पर आभार व्यक्त की। उपलब्ध जानकारी रामशरण शर्मा द्वारा दी गई।



राजगोपाल पी.व्ही. (लेखक राजगोपाल पी.व्ही. महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा के अध्यक्ष और एकता परिषद के संस्थापक हैं।)

नर्मदा के संरक्षण हेतु सरकार एवं समाज में समन्वय जरूरी: मुख्यमंत्री डॉ.यादव



मुख्यमंत्री डॉ यादव के अध्यक्षता में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई आयोजित

(ब्यूरो राजेश शिवहर) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी जीवनदायिनी नदियों में से एक है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए शासन एवं समाज के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा के उद्गम स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं तथा नदी तटों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक की अखंडता बनाए रखने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा जन जागृति बढ़ाई जाए, ताकि उद्गम स्थल का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज अमरकंटक में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष नर्मदे हर सेवा न्यास रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ श्री हीरा सिंह श्याम सहित अन्य जनप्रतिनिधि

उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का प्राथमिकता के साथ रोपण किया जाए। इस संबंध में वन मंडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप को निखारने के लिए स्थानीय प्रजाति साल, महुआ, आंवला, चार, हर्पा, गुलबकावली आदि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय वन प्राकृतिक रूप से संरक्षित रह सकें। इस दौरान यह भी बताया गया कि वन विभाग की रोपणी में 2.50 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में नए निर्माण कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री

ने नर्मदा नदी में प्रदूषण, अपशिष्ट जल निकासी एवं जल प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अमरकंटक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा चुका है तथा यह सुनिश्चित करने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रदूषित जल नर्मदा नदी में न मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक में सीमेंट एवं कंक्रीट का निर्माण ना हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें, जिस पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र का ड्रेन सर्वे पूर्व में कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत यदि कोई अवैध निर्माण कार्य पाया जाता है, तो उस पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमरकंटक विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, नगर परिषद तथा अमरकंटक मंदिर के विकास हेतु कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से समय-समय पर अमरकंटक के विकास एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं एवं बिंदुओं पर चर्चा की जाती है। बैठक में टैकिंग रूट, अंगन सुरक्षा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन, वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन, वन्यजीवों के मुवमेंट एवं उनकी स्थिति सहित अमरकंटक के मंदिरों, तालाबों एवं घाटों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा

की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। समीक्षा बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने नर्मदा समग्र मिशन के तहत समाज के सहयोग से संचालित की जाने वाली नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई तथा सहायक नदियों एवं घाटों में जन सहभागिता से किए जाने वाले श्रमदान कार्यों की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे ने अमरकंटक में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव योजना आधिकारी एवं सांख्यिकी संजय शुक्ला द्वारा नर्मदा नदी के समग्र विकास के लिए बनाई गई कार्य योजना एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य सचिव वन सदीप यादव ने वन विभाग द्वारा जैव विविधता, यूकोलिप्टिस के प्लांटेशन को हटाकर स्थानीय प्रजाति के पौधरोपण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुखाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, वनमण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटेश, जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया है: राजमोहन सिंह



-देवास में संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रमुख युवा जन गोष्ठी का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। संघ के शताब्दी वर्ष में देशभर में प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में युवाओं हेतु 'प्रमुख युवा जन गोष्ठी' का आयोजन देवास में संपन्न हुआ। इस गोष्ठी में मुखवक्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के प्रांत प्रचारक राजमोहन सिंह के साथ देवास विभाग संचालक अजय गुप्ता एवं देवास नगर संचालक राजेश अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर एवं दीप

प्रज्वलन कर हुआ। युवाजन गोष्ठी के मुखवक्ता राजमोहन सिंह ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1925 में नागपुर के मोहिते के बाड़े में लगी एक छोटी सी शाखा से प्रारंभ हुआ यह संगठन आज विश्व का एक विराट एवं सशक्त संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि उस समय समाज में अपने आप को 'हिंदू' कहने में लोग संकोच करते थे, किन्तु संघ ने हिंदू होने को गौरव का विषय बनाकर समाज में आत्मविश्वास जागृत किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश विभाजन (1947) तक संघ की भूमिका का उल्लेख करते हुए बताया

कि विभाजन के समय संघ के स्वयंसेवकों ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना हजारों हिंदू परिवारों को सुरक्षित भारत लाकर बसाने का कार्य किया। इसी प्रकार 1962 के भारत-चीन युद्ध तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध सहित जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवा और सुरक्षा का दायित्व निभाया। राजमोहन सिंह ने बताया कि आज संघ के प्रेरणा से विविध संगठन समाज के अलग-अलग क्षेत्रों-शिक्षा, सेवा, श्रम, किसान, महिला सशक्तिकरण आदि-में कार्य कर रहे हैं, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के समापन में उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में 'पंच परिवर्तन' के

संकल्प का आह्वान किया। इसमें नागरिक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता तथा 'स्व' के बोध जैसे विषयों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी। आपने बताया कि देश को परम वैभव तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय चरित्र वाले युवाओं की आवश्यकता है। जिज्ञासा-समाधान सत्र में युवा प्रतिभागियों ने राजमोहन सिंह से संघ की कार्यप्रणाली, गतिविधियों सहित समरसता, सद्भाव, पर्यावरण जैसे विभिन्न विषयों पर संघ अपनी प्रश्न के रूप में जिज्ञासाए प्रकट की जिसका समाधान एवं उत्तर राजमोहन सिंह ने दिया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गान के साथ हुआ।

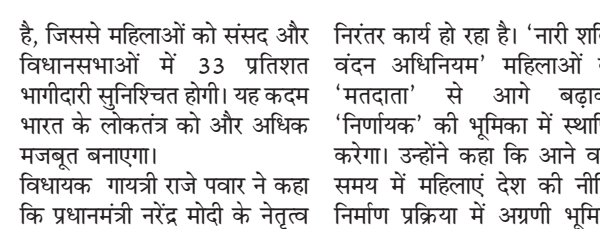
भाजपा कार्यालय देवास पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- देवास। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री अंजु माखीजा रहीं। साथ ही देवास विधायक गायत्री राजे पवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता अंजु माखीजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त

माध्यम बनेगा। वर्षों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ है, जिससे महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने की दिशा में

निर्भर कार्य हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को 'मतदाता' से आगे बढ़ाकर 'निर्णायक' की भूमिका में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महिलाएं देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में माँ नर्मदा उद्गम स्थल पर की पूजा-अर्चना



प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं नागरिकों के कल्याण की कामना की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अनूपपुर जिले के पवित्र तीर्थ स्थल अमरकंटक प्रवास के दौरान माँ नर्मदा के उद्गम स्थल पहुंचकर माँ नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने माँ नर्मदा की आरती कर प्रदेश के

नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं चहुँमुखी विकास के लिए मंगल कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा है और उनका आशीर्वाद सदैव प्रदेशवासियों पर बना रहता है। उन्होंने अमरकंटक की पावनता एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास एवं जनकल्याण का संकल्प दोहराया। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं

पर्यावरण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेवा न्यास एवं रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र मनीषा सिंह ने भी माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री

ऑपरेशन मुस्कान में कोतवाली अनूपपुर पुलिस को बड़ी सफलता

अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक से दस्तयाब कर नाबालिग को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

और सूचना पर 2000 रुपए नगद दारुद पिता मोहम्मद सलीम उग्र कारी इनाम का उद्घोषणा आदेश जारी किया 32 साल निवासी हसन नगर थाना

राजेंद्र नगर हैदराबाद तेलंगाना के कब्जे से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान पुलिस टीम को पुरुष्कृत किया गया है।

आरोपी मोहम्मद दारुद निवासी हैदराबाद से कुछ महीने पूर्व पहचान और दोस्ती हुई थी। जो आरोपी द्वारा नाबालिग बालिका को इन्स्टाग्राम के जरिये लगातार सम्पर्क कर बहला फुसलाया और दिनांक 09.03.2026 को आरोपी ट्रेन से अनूपपुर रेल्वे स्टेशन पहुंचा जहां नाबालिग बालिका रेल्वे स्टेशन अनूपपुर पहुंच गई जहां से आरोपी ने बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर हैदराबाद एवं कर्नाटक में अपने साथ रखकर शारीरिक दुष्कर्म किया।



अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी.नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर साथ भगाकर दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद दारुद निवासी हसन नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 09.03.2026 को 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के अचानक बिना बताये घर से कहीं चले जाने एवं ना मिलने की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 145/26 धारा 137(2) बी. एन. एस. पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी द्वारा उक्त नाबालिग बालिका की दस्तयाबी

गया टी आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी , प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह राठौर ,आरक्षक दीपक बुंदेला ,महिला आरक्षक अंकिता सोनी एवं सायबर सेल अनूपपुर से प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार एवं आरक्षक पंकज मिश्रा की संयुक्त टीम के द्वारा उक्त नाबालिग बालिका की लगातार प्रयास कर पतासाजी की गई एवं उक्त नाबालिग बालिका को कर्नाटक राज्य के बीदर जिले के घोड़ावाड़ी से आरोपी मोहम्मद

राजेंद्र नगर हैदराबाद तेलंगाना के कब्जे से दस्तयाब कर नाबालिग बालिका को सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान पुलिस टीम को पुरुष्कृत किया गया है। इन्स्टाग्राम पर अनजान से दोस्ती और विश्वास करना पड़ा भारी नाबालिग बालिका से महिला पुलिस अधिकारी द्वारा की गई पृष्ठछाप पर विवेचना में पाया गया कि 15 वर्षीय नाबालिग बालिका का स्मार्ट फोन से इन्स्टाग्राम सोशल मीडिया के द्वारा

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर की अपील पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि माता, पिता, परिवारजन अपने नाबालिग बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सतत निगरानी जरूर रखें तथा इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अनजान व्यक्तियों से संपर्क से बचने के लिए अपारूक करें, जिससे इस प्रकार के अपराधों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

तीन हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम से जैतहरी के गोवरी जंगल में, एक हाथी का नहीं चल रहा पता

(ब्यूरो राजेश शिवहर) अनूपपुर। तीन हाथियों का समूह रिविवार की रात वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम के पटना बीट से विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह जैतहरी के गोवरी बीट अंतर्गत जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं तीनों हाथियों द्वारा रात में किलानों के खेतों में लगी एवं रबी फसलों को अपना आहार बनाया है वहीं एक हाथी शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ़ बीट अंतर्गत चट्टा गांव में एक ग्रामीण के कच्चे मकान में तोड़फोड़ करने बाद रविवार एवं सोमवार के दिन से पता नहीं चल रहा जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।



हुआ देर रात बैहर के पहाड़ से उतर कर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के ओहड़ा बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहर के दोखहटोला से जंगल हो कर ग्राम पंचायत गौरला के साथ रात भर हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं संपर्क करने से कई गांव के ग्रामीणों को समय पर सूचना मिलने पर रात्रि समय सक्रिय होकर एक दुसरे की मदद किए जाने से किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सकी। वहीं एक अकेला हाथी शुक्रवार एवं शनिवार की रात जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित पोंडी बीट के जंगल में विचरण करते राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के बयमंडा जंगल में थानू सिंह के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर बरबसपुर सरपंच बिसाहू लाल रौतेल एवं नारायण सिंह के खेतों में लगे तथा रखे फसलों

के आरदा, ठेही गौरला के बड़काटोला, दुधमनिया बीट अंतर्गत केकरपानी, बांका के जंगलों में विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह एक बार फिर से वन परिक्षेत्र जैतहरी के वन बीट ग्राम एवं ग्राम पंचायत गोबरी के झुरहीतलैया जंगल में 15 से 20 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, तीनों हाथियों के निरंतर विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक गिरवी कुंवर सिंह सोरेंट, वनपाल जगत सिंह मसराम, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, वन परिक्षेत्र अनूपपुर, जैतहरी, राजेंद्रग्राम एवं अमरकंटक के वनरक्षकों, सुरक्षा श्रमिकों एवं ग्रामीणों

को खाते फैलाते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात्रि वन बीट भोलगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मड़गवां के चट्टा गांव से लगे जंगल में समयलाल पाव के पहुंच कर तोड़फोड़ कर रहे हाथी को देखते हुए घर से निकलकर जंगल की ओर भाग कर अपनी जान बचाई यह हाथी का रविवार की सुबह से वर्तमान समय तक पोंडी एवं भोलगढ़ वन बीट के अंतर्गत जंगल में ठहर कर विश्राम करने की संभावना बताई जा रही है जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।

जौरा में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

बाजारों में जाम को लेकर व्यापारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- मुनेरा/जौरा। जौरा थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन एसडीओपी नितिन बघेल, नगर निरीक्षक ओपी रावत की मौजूदगी में किया गया। 13 अप्रैल की शाम आयोजित इस बैठक में एसडीओपी नितिन बघेल ने अपनी बात किए हुए कहा कि भीमराव अंबेडकर जयंती के पश्चात् जाम की स्थिति को लेकर व्यापारियों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। व्यापारियों का कहना था कि बाजारों में भारी वाहनों का प्रवेश बंद किया जावे। ट्रैक्टर-ट्रैलर एवं अन्य बड़े लोडिंग वाहन व्यक्ति बाजारों में जाते हैं, उनसे जाम की हालत

बन जाते हैं, वहीं टमटम चालकों की मनमानी से भी जाम की स्थिति बनी रहती है, इसलिए प्रातः 9:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक व्यस्त दर्जन मुख्य स्थान पर बैरिकेड से लगाने की बात

पर वाहनों को खड़ा कर काम करते हैं, जिससे भी जानत लगता रहता है। एसडीओपी नगर निरीक्षक एवं नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा नगर की आधा



कही गई, जिससे कि बड़े एवं भारी वाहन व्यस्त बाजार एवं प्रवेश नहीं कर सकें, जिसका सभी व्यापारियों ने समर्थन भी किया। बैठक में बाजार में साफ-सफाई बनी रहे, जाम की स्थिति नहीं बने इसको लेकर सभी व्यापारी एवं प्रशासनिक अधिकारी सभी बातों को लेकर सहमत नजर आए। बैठक में व्यापार मंडल के अध्यक्ष पदमचंद जैन, भोला पंसारि, वरिष्ठ भाजपा महिला नेत्री श्रीमती उर्मिला त्यागी, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कमलेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला, जेपी पाराशर, चंद्र मोहन शर्मा, राहुल गुप्ता, महेश प्रजापति, आकाश गौड़, राजू गौड़, वासुदेव बंसल व्यंग्य, सदीप अग्रवाल, वासुदेव सिंघल, रुद्र दुबे, गिरांज बंसल, शिव शर्मा, डॉ. रामविद्या कुशवाहा, दामोदर जाटव, पाषाण पवन जाटव प्रकाश सहित व्यापारी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खुले बोरेवेल-कुएं हों कवर्ड, पराली जलाने पर तत्काल कार्रवाई करें: कलेक्टर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जागिड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभागार मुरैना में समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित समस्त जिला अधिकारी, एसडीएम, आयुक्त नगर निगम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जिले के सभी खुले बोरेवेल, कुएं एवं बावड़ियों को कवर्ड कराया जाए। साथ ही समस्त पटवारियों को सोमवार से गुरुवार (सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक) फील्ड में उपस्थित रहकर कार्य करने तथा शुक्रवार को तहसील

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा, अंबेडकर जयंती कार्यक्रम एवं विकास कार्यों की समीक्षा



मुख्यालय पर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त तहसीलदारों को दिए तथा किसानों को जागरूक करने के निर्देश उपसंचालक, कृषि विभाग को दिए।

उर्वरक का वितरण ई-टोकन के माध्यम से कराने तथा बिना ई-टोकन विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में एचपीवी टीकाकरण 91 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा शेष लक्ष्य

2 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश जिला टीकाकरण अधिकारी को दिए। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों में कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षकों को पालकों से संपर्क कर छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा में घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई के निर्देश समस्त तहसीलदार एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 15 अप्रैल से मंडियों में गेहूँ उपाजन प्रारंभ होगा। समस्त एसडीएम मंडियों का निरीक्षण कर सर्वेयर, वारदाना, छटना, सिलाई मशीन आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। 14 अप्रैल 2026 को टाउन हॉल में जिला स्तरीय डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी विभाग अपनी योजनाओं के स्टॉल लगाकर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

हत्यारोपी ट्रेक्टर चालक गिरफ्तार



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। थाना दिमने के अपराध क्रमांक 62 / 2026 में वांछित घटना के मुख्य आरोपी (ट्रेक्टर चालक) एवं 10 हजार के इनामी विनोद कोरी पुत्र रामकुमार कोरी निवासी कुथियाना अम्बाह मुरैना को दिनांक 13.04.26 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे विस्तृत पूछताछ जारी है। उक्त प्रकरण में वांछित सभी 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सी.ए. चिराग गर्ग के कार्यालय का प्रमोद गर्ग ने किया शुभारम्भ



-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। शहर के नामचीन आयकर अधिकारता शिवकुमार गर्ग के सुपुत्र सी.ए. चिराग गर्ग की चिराग एंड कम्पनी के नवीन ऑफिस का उद्घाटन जाने-माने वरिष्ठ कर सलाहकार प्रमोद कुमार गुप्ता ग्वालियर द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर चिराग अम्बाह अम्बाह अधिकारता के.सी. अग्रवाल, उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ न्यायिक

सदस्य राकेश शिवहरे शहर के गणमान्य नागरिक व्यवसायी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गर्ग एशोसियेशन काफी वर्षों से आयकर व्यावसाय कर रहे थे। अधिकारता शिवकुमार गर्ग एवं मोनू गर्ग एक प्रतिष्ठित कर सलाहकारों में एक थे। उनके सुपुत्र चिराग उच्च श्रेणी से सी.ए. परीक्षा पास कर नए कार्यालय का शुभारम्भ किया। निश्चित रूप से मिलनसार,

योग्य एवं मृदुभाषी परिवार से व्यवसायों को और बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। चिराग गर्ग कम्पनी का कार्यालय जीवाजी गंज मुरैना में है, जिसमें शहर के उद्योगपति सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एडवोकेट चार्टर्ड अकाउंटेंट व्यापारी एवं अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित हुए। उपस्थित सभी लोगों ने सी.ए. चिराग गर्ग को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

नहर में मिली एक्सपायर्ड आयरन सीरप समेत 12 प्रकार की दवाएं

2024 में हो गई थी एक्सपायर्ड, सेंट्रल ड्रग स्टोर से हुआ था वितरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। सोमवार को स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुड़ियाखेड़ा बायपास

मुड़ियाखेड़ा के ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह करीब 9.30 बजे स्टेशन रोड थाना पुलिस को नरुआ के पास दवाएं पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एसआई राममंत्र गुप्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके पर 400 से अधिक संख्या में सरकारी अस्पताल में वितरित की जाने वाली आयरन सीरप, कैल्शियम



के नजदीक नरुआ के पास सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए आवंटित दवाएं भारी मात्रा में पड़ी हुई मिलीं। एक्सपायर्ड दवाओं को खुली जगह में फेंका जाना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। पुलिस ने दवाओं को जब्त स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक

टेबलेट सहित अन्य दवाएं पड़ी हुई मिलीं। इनमें ब्रद शुगर की जांच करने वाली स्ट्रिप्स शामिल थीं। प्रारंभिक जांच में अधिकांश दवाइयां एक्सपायरी डेट की गई हैं। इन दवाओं को पुलिस जब्त कर थाने लू आई। सूचना पाकर खड़ियाहार बीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता स्टेशन रोड थाने पहुंचे और दवाओं को साथ लाकर सेंट्रल स्टोर में जमा कर दिया।

नीति निर्धारण और नेतृत्वकारी भूमिका में बैठने का ऐतिहासिक काम करेगा नारी शक्ति बंधन अधिनियम: खुशबू गुप्ता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा सदन में दिनांक 16, 17, 18 को विशेष नारी शक्ति बंधन अधिनियम के लिए बुलाया जा रहा है। यह नारी शक्ति बंधन अधिनियम देश की महिला सशक्तिकरण को मजबूती और महिलाओं का नेतृत्व प्रदान करेगा। इसी योजना को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप दंडोतिया ने बताया कि जिसमें चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा, प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष कृष्ण कांता तोमर, प्रदेश मंत्री रीना दंडोतिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंजू सिकरवार, महापौर शारदा सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष मधु दंडोतिया एवं भावना जालौन मुख्य रूप से उपस्थित रहें। इस अवसर पर चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति बंधन अधिनियम का

कानून महिलाओं के लिए मिल का पथर सबूत होगा, जिन्होंने हमारी



मातृशक्ति के लिए विचार और उनका नेतृत्व प्रदान करने हेतु जिम्मेदारी सौंपने जा रहे हैं। इस आशंका को विरोध कर महिलाओं के अधिकारों को रोकने का कार्य किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा का विशेष शास्त्र बुलाकर इस कानून को लोकसभा पटेल पर रखा राज्यसभा पटेल पर रखा और दोनों सदनों में इसे पास कर महिलाओं के अधिकारों के

बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व वाली सरकार ने महिलाओं के लिए 33%

प्रति नेतृत्व दिया। प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता ने कहा कि सालों से संसद की दहलीज पर खड़ी भारत की बेटियों का इंतजार अब खत्म हुआ है, क्योंकि यह अधिनियम उन्हें वह राजनीतिक सामर्थ्य दे रहा है, जहां वे स्वयं अपने और देश के भविष्य का फैसला करेगीं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से हुई थी यानी लोकतंत्र के नए मंदिर का पहला ऐतिहासिक कदम ही भारत की मातृशक्ति को समर्पित रहा। यह इस बात का उद्घोष है कि 'नया भारत' अब अपनी बेटियों के नेतृत्व में आगे बढ़ेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम 'गारंटी' का प्रमाण है, जिसने दशकों से राजनीति के हारिये पर खड़ी भारत की बेटियों को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार देकर उन्हें राष्ट्र का भाग्यविधाता बना दिया है।

रेत से भरे ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, दो घायल सुमावली थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, ड्राइवर गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना। सुमावली थाना क्षेत्र में सोमवार की दोपहर चंबल नदी की रेत से भरे एक ट्रेक्टर-ट्रॉली ने सवारियों से भरे श्री-व्हीलर ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग जख्मी हुए हैं। जिनमें से एक को गंभीर हालत में ग्वालियर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर एक श्री-व्हीलर ऑटो सुमावली से सवारियों लेकर टेकर की ओर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में चंबल नदी की रेत का परिवहन कर रहे तेज रफ़्तार ट्रेक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में टक्कर मारी, जिसके बाद ड्राइवर ट्रॉली को पलटाने के बाद ट्रेक्टर को लेकर भाग निकला। हादसे में ऑटो में सवार दो लोग सोहेल खान 19 पुत्र गफूर खान निवासी सुमावली

और दर्शन सिंह राजपूत 58 पुत्र द्वारिका सिंह राजपूत नि. निटहरा बुरी तरह जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर डायल-112 मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में दर्शन सिंह को ग्वालियर रैफर किया गया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से ट्रेक्टर ड्राइवर को पकड़ लिया गया, जबकि उसका साथी ट्रेक्टर लेकर भाग निकला। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनोश गुप्ता को प्रभारी चंबल संभागायुक्त ने किया निलंबित

मुरैना। वर्ष 2024 में तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिला भिंड अवनोश गुप्ता द्वारा न्यूना कार्रवाई का भय दिखाकर रुपए की मांग किए जाने के आरोप सामने आए। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर भिंड कलेक्टर द्वारा उन्हें कारग रतना ओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में श्री गुप्ता द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत 30 सितम्बर 2025 को आरोप, आधार एवं संबंधित पत्र जारी कर पुनः जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। श्री गुप्ता द्वारा 7 अप्रैल 2026 को प्रस्तुत किया गया जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी भिंड, वर्तमान में मुरैना पदस्थ अवनोश गुप्ता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित है। इस पर प्रभारी चंबल संभागायुक्त एवं कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री गुप्ता का मुख्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला मुरैना रहेगा तथा उन्हें मूलभूत नियम 53 के अंतर्गत निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी।

डॉ. दीपक तिवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुरैना। पशु सहायक शल्य पशु चिकित्सालय कन्हार में पदस्थ पशु सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक तिवारी को कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं अनियमितताओं के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रास जानकारी के अनुसार डॉ. दीपक तिवारी नियमित रूप से अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा द्वारा उन्हें कई बार स्मरण पत्र जारी किए गए, किंतु उनके कार्य व्यवहार में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि डॉ. तिवारी द्वारा 22 अगस्त 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक मेडिकल अवकाश पर रहने की जानकारी दी गई, जबकि प्रस्तुत सिकनेस सर्टिफिकेट में केवल 15 दिवस के अवकाश की ही अनुरांसा की गई थी।

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना (म.प्र.)

मामला क्र. 0002 / पुनर्विलोकन / 2025-26/
मुरैना, दिनांक 13/03/2026

विज्ञापित

(1) उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रह्मजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोर्सा जिला मुरैना, म.प्र.।
..... आवेदक
बनाम

- (1) नाथसिंह, (2) रामसेवक सिंह, (3) सरनाम सिंह पुत्राण श्री साहब सिंह, निवासीगण ग्राम सगरा, तहसील व जिला मुरैना, म.प्र.।
(4) जयहृदय सिंह (5) सतीश सिंह (6) दीपू सिंह पुत्राण प्रीतम सिंह (7) विश्वनाथ सिंह, (8) देवेन्द्र सिंह (9) जण्डेल सिंह पुत्राण मुन्शी सिंह (10) राजवीर सिंह पुत्र मुन्शीसिंह फौत के वारिसान उपदेय सिंह पुत्र राजवीर,
(11) चौहान वेवा राजवीर सिंह, (12) बादशाह सिंह, (13) भीमसेन (14) रामसेनही पुत्राण जंगजीत सिंह
(15) ब्रह्मजीत सिंह पुत्र नंदराम सिंह फौत वारिसान-अ-जनवेद सिंह, ब- सुजान सिंह, स-आशाराम सिंह पुत्राण ब्रह्मजीत सिंह
(16) उम्मेद सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, (17) किशन सिंह पुत्र नंदराम सिंह फौत वारिसान अ- फोजदार सिंह ब- रणवीर सिंह पुत्राण किशन सिंह (18) नरेश सिंह (19) रमन सिंह, (20) राजू सिंह (21) राजेश सिंह पुत्राण भीकम सिंह सभी जाति उक्कर निवासीगण ग्राम रतन सिंह का पुरा मौजा कीचौल, तहसील पोर्सा, जिला मुरैना, म.प्र.।
.....अनावेदकगण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उदयभान सिंह पुत्र श्री ब्रह्मजीत सिंह, निवासी ग्राम रतन का पुरा, मौजा कीचौल, तहसील पोर्सा जिला मुरैना, म.प्र. द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 अंतर्गत ग्राम कीचौल तहसील पोर्सा जिला मुरैना, स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 3294 / 4.262 / 1 कुल रकबा 0.679 हे० सर्वे क्रमांक 363 रकबा 1.599 हे०, सर्वे क्रमांक 372 रकबा 0.230 हे० के संबंध में न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला मुरैना के प्रकरण क्रमांक 0033/2021-22/निगरानी में पारित आदेश दिनांक 14.02.2025 के विरुद्ध पुनर्विलोकन हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः वादित भूमि से संबंध रखने वाले सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त प्रकरण में दिनांक 16.04.2026 सुनवाई हेतु नियत की गई है। नियत दिनांक पर न्यायालय में आप स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से पक्ष समर्थन कर सकते हैं। आपकी अनुपस्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 13.03.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला मुरैना, (म.प्र.)

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती 19 अप्रैल को

-तीर्थंकर ऋषभदेव आहार दिवस भी मनाया जाएगा

मुरैना। अक्षय का अर्थ पूर्णता से है, न तो वो मिटता है, न हटता है, न ही बिखरता है अर्थात् पूर्ण फल प्राप्ति होती है। ऐसी तिथि वर्ष में केवल एक बार ही आती है। उसे अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हनुमन्चंद्र जैन ने बताया कि वैशाख माह शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को ही अक्षय तृतीया तिथि नाम से जाना जाता है। यह इस बार 19 अप्रैल रविवार के दिन है। इस बार तृतीया तिथि का प्रारंभ 19 अप्रैल रविवार को सुबह 10:49 बजे होगा, इसका समापन 20 अप्रैल सोमवार को प्रातः 07:27 बजे होगा। इसी दिन परशुराम जयंती एवं जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव जी का आहार दिवस भी अत्यधिक धूम धाम से मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्री परशुराम जी का जन्म प्रदोष काल में वैशाख तृतीया तिथि में हुआ था।

प्रदोष काल युक्त तृतीया 19 अप्रैल रविवार को की है। अक्षय तृतीया का पूजा मुहूर्त इस बार 19



अप्रैल रविवार सुबह 10:49 बजे से प्रारंभ होकर 12:20 बजे तक रहेगा। जैन ने बताया कि इस दिन का किया हुआ तप, दान अक्षय फलदायक होता है। वैदिक ज्योतिष में भी अक्षय तृतीया को सभी अशुभ प्रभावों से मुक्त एक शुभ दिन मानते हैं। पंचांग के अनुसार विवाह, गृह प्रवेश, भूमि पूजन, वाहन, प्रोपर्टी, मकान, सोना, चांदी आदि खरीदने के लिए इस दिन किसी प्रकार के मुहूर्त की जरूरत नहीं होती। इस दिन

लिए किसी भी कार्य के आरम्भ के लिए यह दिन अबूझ मुहूर्त कहलाता है अर्थात् किसी से पंचांग से मुहूर्त पूछने की जरूरत नहीं होती। इस दिन पंखा, चावल, नमक, घी, चीनी, सब्जी, फल, इमली एवं वस्त्रों का वृताथी को दान अवश्य करना चाहिए। इस दिन बद्रिनाथ मंदिर जी के पट भी खुलते हैं। कुछ श्रद्धालु इस दिन पवित्र नदी में या गंगा जी में स्नान करके गेहूँ, चने, सत्तू, दही -चावल, गन्ने का रस, मिष्ठान आदि दान करते हैं। जैन धर्म में भी अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। जैन शास्त्रों के अनुसार जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव जी को दीक्षा लेने के बाद 06 माह तक नवधा भक्तिपूर्वक आहार की विधि नहीं मिल सकी थी। तब हरिनाथपुर के राजा श्रेयाश को रत्रि स्वप्न आया, तब राजा श्रेयाश कुमार ने गन्ने के रस का प्रथम आहार वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन भगवान ऋषभ देव जी को इसी दिन दिया था। तब से इस दिन को जैन धर्मावलंबी बड़े धूम धाम से मनाते हैं।

प्रदोष काल युक्त तृतीया 19 अप्रैल रविवार को की है। अक्षय तृतीया का पूजा मुहूर्त इस बार 19

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक- 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना (म.प्र.) मेरे आधार कार्ड क्रमांक 2010 9777 1105 में अंकित है। आज दिनांक से यह अपना नाम द्रोपदी पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह जन्म दिनांक 01.01.1953, निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली, गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना से बदलकर नया नाम द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह कर लिया है, जो इनके वोट कार्ड क्रमांक: HNN 1450857 में इनका नाम द्रोपा अंकित है। अब इन्हें द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी सिंह के नाम से जाना व पहचाना जावे। आमजन सूचित हों। यह आम सूचना मेरे सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यों में काम आवे। दिनांक:.....

हस्ता./हस्त चिह्न सूचनाकर्ता द्रोपा पत्नी स्व. श्री गोपी निवासी- ग्राम पंचायत भैंसरोली गैलेथा तहसील जौरा जिला मुरैना (म.प्र.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह जिला मुरैना मध्य प्रदेश प्र.क्र./01/2025-26/अ-20(2)

ग्राम भारती शिक्षा समिति मुरैना सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर बुधारा पोर्सा मुरैना
बनाम
मध्य प्रदेश शासन

// उद्घोषणा //

जयें उद्घोषणा आमोखास जनता ग्राम बुधारा को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय मुरैना के न्यायालय के प्र.क्र./02/2025-26 /अ-20 (2) में ऑर्डरसिटी दिनांक 02.09.2025 में ग्राम बुधारा की भूमि सर्वे क्रमांक 863 / 1516 रकबा 0.42हे. शासकीय भूमि को ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने हेतु प्रस्ताव पास हुये हैं। उक्त भूमि ग्राम भारती शिक्षा समिति सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना को आवंटन किये जाने में किसी आम जन को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह प्रकरण मे सुनवाई हेतु नियत पेशी दिनांक 16.04.2026 से पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(रामनिवास सिंह सिकरवार)
अनुविभागीय अधिकारी
अम्बाह जिला मुरैना

श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था ने गरीब बिटिया की शादी में किया सहयोग

मुरैना। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय श्री श्याम जी जन सेवा फाउंडेशन संस्था मुरैना द्वारा सराहनीय पहल करते हुए एक गरीब परिवार श्रीमती ममता प्रजापति पत्नी स्व. महेश प्रजापति, संजय कॉलोनी में किराये के मकान में अस्थायी रूप से निवासरत है। इनकी पुत्री कु. मधु की शादी में 11 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना उनका मुख्य उद्देश्य है। इसी कड़ी में संस्था ने इस गरीब परिवार की मदद कर सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि बेटियों की शादी में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे परिवारों की मदद के लिए वे आगे भी इसी तरह प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राकेश प्रजापति, संरक्षक दीपू प्रजापति, उपाध्यक्ष विष्णु लाल, सचिव प्रदीप प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजेश राठौर, सदस्य देवेन्द्र (देव) प्रजापति, जीतू, राकेश, संजु, अजय, संतोष सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बिटिया को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के लोगों ने संस्था के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया है।



कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026	//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//	मुरैना, दिनांक:- 13.04.2026		
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-				
क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तर्णगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तर्णकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	577/35 का अंशभाग नया वार्ड 41, डॉ. कोथल वाली गली रविदास नगर मुरैना	श्रीमती रेखा जादौन पत्नी सुन्दरलाल सिंह जादौन निवासी- ग्राम गुनापुर हुनैनपुर तहसील जौरा जिला मुरैना	स्व. फिर्गो सिंह तोमर पुत्र विद्याराम सिंह के बजाय अशोक सिंह तोमर पुत्र स्व. फिर्गो सिंह तोमर	विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
2	266/5 का अंशभाग नया वार्ड 22, पुराना वार्ड 7 पीपल वाली माता के पास कृष्णा अपार्टमेंट फ्लैट नं. 101 मुरैना	नीरज गर्ग पुत्र रमेश गर्ग निवासी- तत्पुत्र मुरैना	अखिलेश शिखल पुत्र श्यामलाल शिखल विजय कुमार जैन पुत्र सुदीपलाल जैन पंकज जैन पुत्र प्रेमचंद जैन	विक्रय पत्र
3	65/24, वार्ड पुराना 04 रेलवे स्टेशन के पीछे मुरैना	रमेशचन्द्र वैश्य पुत्र श्री बदीप्रसाद वैश्य निवासी- मुरैना	श्री मोहनलाल, अशोक कुमार पुत्राण श्री बदीप्रसाद	मृत्यु प्रमाण पत्र, पूर्व रजिस्टर्ड हक त्याग, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, शपथ पत्र राजत
4	355/32, नया वार्ड 38 शर्मा गली गाँधी कॉलोनी मुरैना	अशोक कुमार शर्मा पुत्र स्व. सियाराम शर्मा निवासी- शर्मा गली गाँधी कॉलोनी मुरैना	सुरेश कुमार, अशोक कुमार, दिनेश कुमार पुत्राण घन्टोली लाल जाटव	विक्रय पत्र
5	36/24, नया वार्ड 23 स्टेशन रोड मुरैना	श्रीमती मीरा सरफ़ पुत्री स्व. श्री हरिद्वारी लाल गोयल पत्नी रमेश कुमार सरफ़ (1/2 भाग पर) दिनेश गोयल पुत्र स्व. हरिद्वारी लाल गोयल	स्व. श्रीमती कृष्णादेवी गोयल पत्नी हरिद्वारी लाल गोयल	रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारिजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न

डॉ. भीमराव
अम्बेडकरको
कोटि-कोटि नमनन्याय, समानता और
समरसता के मूल्यों से
सशक्त होता मध्यप्रदेश136^{वीं} जयंती
समारोह

14 अप्रैल, 2026

डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
जिला इंदौर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

“ भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी। ”

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास

आस्था से जुड़ाव

बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित 5 ऐतिहासिक स्थल मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल

वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू

स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर का विकास

सम्मान का प्रतीक नामकरण

महू रेलवे स्टेशन का नाम 'डॉ. अम्बेडकर नगर'

युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान

डेयरी इकाई के लिए कामधेनु योजना में ₹42 लाख तक ऋण

आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक अनुदान

संत रविदास स्व-रोज़गार योजना में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता

उद्योग उदय योजना के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग

शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान

डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार

उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फेलोशिप

पर्यावरण और विरासत का संगम

सागर में 25वां डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य घोषित